

PAGE(S) MISSING
NOT AVAILABLE

Folio no.:

1

दोनदीइकोइसीलसमोनहीकोइ॥२२॥ सीलिसंकटसविटलि सीलिजससोसाग सी
 लइ सुंरसानिधकरे सीलवडोवयराग ॥२३॥ सीलिसर्पन आसडि सीलिसीतल आग
 सीलिंअरिकरिकेसरी नयजाइसविताग ॥२४॥ अनममरणनाडषधकी मइं बोडा
 व्याअनेनामक छंद विंतेहना सेननयो सुवेवेक ॥२५॥ टालधमालनी ॥ सीलकहि
 जगिऊं वडो मुजवातिसुणे अतिमीठीरे लालवला बैलोकनइ ॥ इमदानतणी वात
 मीठीरे ॥२६॥ आकणी ॥ कलिकालिं जगिजाणीइ वलीवरतिनहीकोइ तेनारदं मइ
 सीलव्या ॥ मूजजोउएषरि अधिकार्इरे सी ॥२७॥ बाहिरेयहिमां बहिरषा संघराजा हषण
 दीधारे काणादाणकलावति मइं नवयछवयणकीक्षरे ॥ २८॥ सीणरावणघरिसीतारही उरा
 मचंद्रकांणीरे सीताकलंकउतारीउं मइपावनककीक्षमांणीरे सी ॥२९॥ चंणवारऊघा
 मीआं वलीवालणीकाटिउं नीरोरे सतीसुतत्रजसघयो मइंतसकीधीसीरोरे ॥३०॥
 सी ॥ राजामारणमांभीऊराणी असया हषणमोंभीऊं दाषोरे सीली हासनकीउं म
 इसेविसुदरसणराणुरे ॥३१॥ सी ॥ सीलेंनानहमंतीसरिं आवंताअरिदसधंयारे

दो.सी.त.जा
२

तिहोपणसामिधिमंडकरी वलीधर्मकारिजआरंभारे ३२ सीपे पहिरणवीरप्रमटकी
यां मंडअतोतरसोवारे ३३ मंडराषीमामिकुदारे ३४ सीपे ब्राह्मी
वेदनबालीका वलीसीलवतीदवदंतीरे चेहानीसातिसुता राजीमतीसुंदरीऊतारे
३५ सीपे इत्यादिकमंडउधसा नरनारीकेराटंदारे समयसुंदरप्रसवीरजी मुफ
पहिलेकरेआणंदारे ३६ सीपे ॥ ३७ ॥ तपबोलेत्रटकीकरी दानउंअबहलःपणि
मुफआगलिरुकिर्सा रेउंसांसलेसीला १ सरसांलोजनमंडतज्यो नगमंडमीठानाद
देहनणिसातजी उफनिंकिर्सासवाद ३८ नारिषकीउरतोरहि कायरकिर्सा
वषाण ऊडकपटवज्जकेलावी जिमतिमराषिप्राण ३९ कोविरलो मुफआदरि
बामिसऊसंसार आपणकउंतांजतु बिजडसीज्याआर ४० करमनिकावितत्रो
मवुं साजुसवसमसिम अरिहंतमुफआदरि वरसबमासिसिम ४१ रुचकने
दिसुरपर्वतबे मुफलक्षिमुनिराय वैसज्जहारिसासुतां आणंदअंगनमाय ४२
मोटांजोअणलाषनी लछकंघकआकार हयगयपायकतणारूपकरेअणण

४२

मुफकरफरसिउपसमिं ऊसादीकनारोग लबडिअगविसउयजड उतमयतसंजो
ग ४३ लेमईतासातेकडूं सुएजोमनउआसचमंतकारचितपामस्यो देज्योमुफआ
वास ४४ ठाउननएदतारे ४५ आहारअतिपापिने हंसाकिधिवारहोसुंदर तेमंड
तिणंसवोविंउधस्यो सुकोमुगतिमजारहो सुंदर ४६ तपसरिषोजगकोनहि त
पकरडंकरडंकमनोसुमहो सुंदर ४७ तपकरतांअतिदोहिलो तयमांकोनहिऊडहोसु
४८ सातमाणसनडंमारतो करतोपापअघोरहो सु ४९ अरजनमालिमेंऊधस्यो बेया
करमकविनहो सुंदर ५० नंदिवेणमेंउधस्यो स्त्रीवल्लसवसुदेवहो सुंदर ५१ बहोति
रसहसअंतेउरि सुषसोगवेंनितमेवसुंदर ५२ सयकसुयकालोघर्ण हरिकेचडा
लहो सुंदर सुरनरकोडिसेवाकरि तेमंडकिभोवालहो सु ५३ विष्णुकुमार
लबडिकिउं लाषजोयणउरूपहोवेसुणे श्रीसंघकरेंकारण एमुफसक्तिअरूपहो
सु ५४ अष्टापदगौतमचट्टा वांछाजिनचोविसहो सु ५५ तपसिपणप्रतीबुज्याति
णिमुफअधिक जगिसहो सु ५६ चउदसहसअणगारने श्रीधतोअणगारहोसु

वीरजणंदवषाणीउं। एणमुफ अधिकार हो सुणे ॥ ५२ ॥ श्रीरुद्र नरेसर आगले ॥ उक्क
र जीरे जी लंकार ग ए ह हो सुणे ॥ दंड ए ने म प्र सं सि उं मुफ महिमा सविते ह हो सुणे ॥ ५३ ॥
नेदी ये ए व हिरण्यो गणी का की धिहा स हो सुणे ॥ दृष्ट करि को ना तणी मंडंत सु प्र रि
आस हो सुणे ॥ ५४ ॥ इम वल स न प्र मुष ता स्या तप सि मु नि वर जे ह सुणे ॥ समय सुंदर प्र
सु विर जी ॥ पहिलो मुफ प्र स्ताव हो सुणे ॥ ५५ ॥ ह हा ॥ साव क हे त प उ कि स्या बे म्मो करि
अहे कार प्र र व को डी त प उ त प डं ॥ षिण मां षे रु था य ॥ ५६ ॥ खं द ग आ रि ज प्रति ते व ला
यो दे वि श ॥ अस स नि आ णं उं कर डं ॥ ह मा न हिल व ले र ॥ ५७ ॥ दि पा य न रु पि ह ह यो
सं व प्र च से सा ह डं ॥ त डं त प को ध थि ति हो ॥ कि शो वारि का दा ह ॥ ५८ ॥ द न शि ल त प सो
स लो म करो ज व गु मा न ॥ ले क स ड को सा षि द दं ॥ ध र्मे मां स व प्र धां न ॥ ५९ ॥ आप न उं
स क वो त मे ॥ दे म्मा कर णी ॥ षि का म स रे न हित मे ॥ सा व ल ण डं ॥ मु षा षि ॥ ए पे र स वि
न क न क न नि प जै ॥ ज ल वि ण उं रु व र वृ ध र स व ति र स न हिल व ण वि ण ॥ ति म मु फ
वि ण न हि सि दि ॥ ६० ॥ मंत्र यंत्र म णी उं ष दि ॥ दे व ध र म गु रु से व ॥ सा व वि ना स वि ते वृ

षा साव फलै नित मे व ॥ ६१ ॥ दां न सिल त य सौ वै जे उं मे ॥ नि ज र क ह्या वृ तां त ॥ ति हां जो सा व न ड
त ड ॥ उ त उं को सि द न जा त ॥ ६२ ॥ सा व क हे मे ए क ल डं ॥ ता रौ सौ व ड न र ना रि ॥ सा व धां न ष ड
सं स लो ॥ त स क डं नि र धा र ॥ ६३ ॥ ह ल ॥ क प्र र हो इ अ ति उं ज ल रे ॥ कां न न मां का उ स ग
र ह्यारे ॥ प्र सं न वं दे रि षि रा य ॥ ते म डं कि धो के व ली रे ॥ त त षि ण क र म क या य ॥ सा ना गी सुं द र सा
व व ना सं सार ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ए तो बि जो मु फ परि वार ॥ सो ला पे ॥ दां ना दि क वि ण ए क लो रे ॥ प ड
वा मु स वृ षा र ॥ सो ला पे ॥ ६६ ॥ वं स उ प रि च ढी षे लो तो रे ॥ ई ला पु त्र अ यार ॥ के व ल तां ति मिं कि
उ रे ॥ प्र ति बो द उं परि वार ॥ सो ण ॥ ६७ ॥ स्त ष क्ष मा वे ड अ ति घ णी ॥ क र तो क र अ हार ॥ के व ल
म हि मा सू र क र रे ॥ रु र ग मू अ रा गा र ॥ सो पे ॥ ६८ ॥ ला स धि लो स वा ध डं घ णे ॥ आ णि म न
वै र ग ॥ क री ल थ यो के व ली रे ॥ ते मु फ न डं सो ला ग ॥ सो पे ॥ ६९ ॥ अ णि का क त ग व नो ध
णी रे ॥ क्षी ण सं घा व लि जां ण ॥ कि धो अं त ग ड के व ली रे ॥ गं गा ज लिं गु ण षा णि ॥ सो ण ॥ ७० ॥
॥ परे न र सिं ता य स स णी रे ॥ दी धा गे त म दि ष ॥ त त षि ण की धा के व लि रे ॥ जो मां न मु फ
सि ष ॥ सो पे ॥ ७१ ॥ पा ल क र्मा णी पि ली उ रे ॥ खं द ग स र सि मु सि स ॥ ज मे न म म र ण पि बो

नवारे अमुक असिस सोवे ॥ ७३ ॥ चंद्रकंदसूरिनिसावा लतारे दीक्षांदेउप्रहार नवदी
 हित घयो केवलीरे तेगुरुपणतिणीवार सो ॥ ७३ ॥ धनधनरथकार साकनइरे यमि
 लासइउलास मृगलोलावना लावतारे पोऊतोसुर आवास सो नावे ॥ ७४ ॥ निजअयराध
 यमावतिरे मुकिउमनविमान मृगावतिनइमइंक्तिरेदिउरे निरमलकेवलनाण सो
 ॥ ७५ ॥ मरुदेविगजइंचटिमारागइरे येवीपुत्रनिरिधि मुफनइंमनमांदिदस्यो
 रे ततविणपामिसिद्धि सो ॥ ७६ ॥ वीरवंदनचाव्योमारागइरे वां पिउंचपलहरंग ॥
 उहरेनामिदेवतारे तथयो मुफसंग सोवे ॥ ७७ ॥ प्रभुपायपुजीनीसरिरे उगलानामि
 नारि कालधर्मविविमिकीउरे पुहति सरगमफारे सो ॥ ७८ ॥ कायासोलाकारभिरे
 रुपकिमुंअलिमान सरतअरुसालवनमारे पा मुकेवलन्यान सो ॥ ७९ ॥ आषाढ
 कतअणगारनोइरे प्रगटिउं सरतसरूप नाटिककरतांपामिउरे केवलन्यानअनु
 प सोवे ॥ ८० ॥ दिष्पादिनकाउसगरहारे गयसकमालमसोण सोमलसिसप्रजालि
 इरे सिद्धगयसहकाण सो ॥ ८१ ॥ गुणसागरथयो केवलीरे सोसलिउं प्रथविचंद

मातेकेवलपामिउरे सेवकरिफरइं सोवे ॥ ८२ ॥ इमअनंतमिंउधस्यारे मुक्यासीवपू
 रवास समयसुंदरप्रभुविरजिरे मुफनें प्रधमप्रकास सोवे ॥ ८३ ॥ हहा विरकहइं
 उमेसोसलो दानसियलतयसाव निहावइं अतिपाहुइ धर्मकरमप्रसताव ॥ ८४ ॥ पर
 तिष्ठाकरतांघकाणपिपीडनराय वहिराटिवाधइं धणी तरुगतिप्रतिजाय ॥ ८५ ॥ नेदक
 सरयोयापिउ संतोकोइं नदित वलिचंडालसमाकहोने नेकमुषअदीव ॥ ८६ ॥ आय
 प्रसंसा आयणी करतां निंदनिरेद लघुतापामिलोकर्मी नासिं निजगुणवंद ॥ ८७ ॥ कोक
 दनिमकरोतुमे निंदानेअहकार आपआपणें वामिरहो सऊकोसलोसंसार ॥ ८८ ॥ तउ
 पणअधिको नावहो एकाकिसमरथ दानशीलतयत्रिलोसलो लाववीनाअकथउ ॥ ८९ ॥
 अंजनआखें आजता अधिकी आणी रेघ रजमाहितजकाहता अधिको लावविशेष
 ॥ ९० ॥ सर्वंतहवसंजननली आरे सरयागणंत आरकरिं सुखआयणं चउविधर्मनण
 ता ॥ ९१ ॥ मचिंतावेतनकरएहवि ॥ ९२ ॥ विरजेले सरइमसणिरे बइं विषयदाधार
 धर्मकरोउमे प्राणी आरे जिमपामोसवपारोरे धर्मणे ॥ ९३ ॥ धर्मध धनसंयजेरे

धर्मधकोधनहोय धर्मधकि आरतिटलेंरे धरमसमोनहिकोयरे धरम ॥ ९४ ॥ उगति
 पडतोप्रणिआरे राषिंश्रीजिनधर्म कंटंबसऊकोकारेमोरे मतल्लोतवसमोरे ध
 रमणे ॥ ९५ ॥ जिवजिकेसुषिआऊआरे वलिहोस्येजेह तेजनवरनाधर्मधरे मतकर
 योसंदेहरे धर्मणे ॥ ९६ ॥ सोलसिंवासतिसमिरे सांगोनवरमकारे पदमप्रसूयसा
 उनेरे एहसणेअधिकारोरे धरमणे ॥ ९७ ॥ सोहमस्वामिपरंपरा रे खरतरगबऊ
 लचैद युगप्रधानजगिपरगडोरे श्रीजिनचंदसुंरंद धरमणे ॥ ९८ ॥ तसमिसअति
 दियतारे वीनयवंतयरावंत आवारजचढतिकलारे जिनसुरिसिंदमदंतोरे धर्मणे
 ॥ ९९ ॥ प्रथमिश्रीप्रणारे सकलचंदतससिष समयसंदरवावकसणिरे संघस
 दाजगीसारे धरमणे ॥ १०० ॥ दोनशियलतपलावनारे सरसरव्योसीवाह सणतांसणतां
 लावती लावसुरे ऊधिसमृद्धिमप्रमोदोरे धरमणे ॥ १०१ ॥ दोनसिलतपलावरा
 ससंपूर्णः सु० मानविजयलषीतः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 संवत १८२४ नावषे आवणवदि १५ लषीत ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥